[This question paper contains 4 printed pages.]

1367 *आपका अनुक्रमांक* .....

B.A. (Hons.) बी. ए. (ऑनर्स) / III **D**

HINDI – Paper VII

हिंदी – प्रश्न-पत्र VII

(आधुनिक काव्यधारा – 2 : प्रगतिवाद और नई कविता)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 38*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) जी, पहले कुछ दिन शर्म लगी मुझको,
पर बाद-बाद में अक्ल जगी मुझको,
जी, लोगों ने तो बेच दिए ईमान,
जी, आप न हों सुनकर ज़्यादा हैरान,
मैं सोच-समझकर आखिर
अपने गीत बेचता हूँ
जी हां हुज़ूर, मैं गीत बेचता हूँ।

अथवा

घोर निर्जन में
परिस्थिति ने दिया है डाल।

P.T.O.

याद आता तुम्हारा सिंदूर तिलकित भाल।
कौन है वह व्यक्ति जिसको चाहिए न समाज ?
कौन है वह एक जिसको नहीं पड़ता दूसरे से काज ?
चाहिए किसको नहीं सहयोग ?
चाहिए किसको नहीं सहवास ?
कौन चाहेगा कि उसका शून्य में
टकराए यह उच्छवास ? (5)

(ख) यह उदास दिन
पेंशन पाए चपरासी-सा।
और जुए में हारे जन-सा
आपे में खोए गदहे-सा
मौन खड़ा है।
रवि सोता है
माँ से बिछुड़े हुए पुत्र-सा।
धूप पड़ी है
परित्यक्त पत्नी-सी कातर।

अथवा

जितनी देर ऊँचा गोल गुंबद गूँजता रहे उतनी देर
तुम बोल सकते हो अपने से
गूँज थमते-थमते फिर हँसना
क्योंकि तुम चुप मिले तो प्रतिवाद के जुर्म में फँसे
अंत में हँसे तो तुम पर सब हँसेंगे और तुम बच जाओगे। (5)

(ग) फिर बाढ़ आ गई होगी उस नदी में
पास का फुटहिया बाज़ार बह गया होगा,
पेड़ की शाखों में बँधे खटोले में
बैठे होंगे बच्चे किसी काछी के
और नीचे कीचड़ में खड़े होंगे चौपाए
पूँछ से मक्खियाँ उड़ाते।
मेरी निगाह कुछ कमज़ोर हो गई है।

अथवा

उसको समझा दिया गया है कि यहाँ
ऐसा जनतंत्र है जिसमें
जिंदा रहने के लिए
घोड़े और घास को
एक जैसी छूट है
कैसी विडंबना है
कैसा झूठ है
दरअसल
अपने यहाँ जनतंत्र
एक ऐसा तमाशा है
जिसकी जान
मदारी की भाषा है। (5)

2. 'गीतफ़रोश' कविता में बाज़ार और कविता के द्वंद्व की गहन अभिव्यक्ति है।' विवेचना कीजिए।

अथवा

'नागार्जुन की कविताओं में प्रकृति और जन-संस्कृति अभिन्न रूप में अभिव्यक्त हुए हैं।' मूल्यांकन कीजिए। (8)

3. "धूमिल की कविता 'पटकथा' आज़ादी के उल्लास से लेकर आज़ादी से मोहभंग तक का महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ है।" विवेचना कीजिए।

अथवा

'कुआनो नदी' कविता सर्वेश्वर की क्रांतिधर्मी चेतना को अभिव्यक्त करती है।' मूल्यांकन कीजिए। (8)

4. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) नागार्जुन की राजनीतिक चेतना।

(ख) रघुवीर सहाय की भाषा।

(ग) केदारनाथ अग्रवाल की यथार्थ चेतना। (7)